ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 27 संख्या 1 VOL. XXVII NO. 1 मुंबई Mumbai जनवरी-मार्च/January-March 2010

I. अनुसंधान

एम एफ वी समुद्रिका से पोलिनेमिडस एवं प्रियाकेन्थिड्स का समृद्ध स्थल का पता लगाना।

एम एफ वी समुद्रिका भा मा स के चेन्नई बेस के साथ लगा हुआ बोट्टम ट्रॉलर सर्वेक्षण पोत ने कृष्णापटनम [अक्षांश 14° उ], आन्ध्र प्रदेश से दूर के क्षेत्र से जनवरी 2010 के दौरान पोलिनेमिड पर्याप्त मात्रा में पकडी गई । 46 मी गहराई में प्रचालित एकल कर्षण [हॉल] में, 700 कि ग्रा वाणिज्यिक प्रमुख प्रजातियाँ पकडी गई । पोत से वही माह में पुलिकाट से दूर के क्षेत्र से प्रियाकेन्थिड्स के लिए समृद्ध स्थल का पता लगाया । 125 मी गहराई में प्रचालित एकल कर्षण [हॉल] से प्रियाकेन्थिड्स लग भग दो टन पकडी गई । पकडी गई प्रजातियों की कुल लंबाई 32 -38 से मी आकार के आस पास थी । आगामी महीनों के दौरान व्यवहार्यता स्थापित करने एवं इन प्रजातियों के लिए नया मत्स्यन स्थल की पुष्टीकरण हेतु अधिक सर्वेक्षण की योजना बनाई है ।

2. पेलाजिक स्टिंगरे का जीवविज्ञान

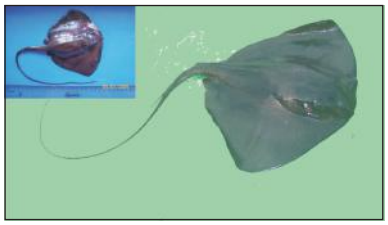

भारतीय मात्स्यिकी सवेक्षण ने पेलाजिक स्टिंग रे, प्टेरोप्लेटिट्रागोन वायोलिसिया [बोनापारटे, 1832] का जीव विज्ञान अध्ययन हेतु एक कार्यक्रम बनाया है । चार सर्वेक्षण पोतों द्वारा किए गए टूना लॉग लाइन सर्वेक्षण समुद्री यात्रा के उप पकड प्रजातियों पर आंकडे के विश्लेषण भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र [ई ई जेड] में पेलाजिक स्टिंग रे का वितरण, प्रचुरता और जीव विज्ञान का अध्ययन हेतु किए गए । अध्ययन अवधि के दौरान अरब सागर, बंगाल की खाडी, अण्डमान एवं निकोबार समुद्र से प्रजातियों के कुल 378 नमूने पकडे गए । अरब सागर से टूना प्रजातियों को 0.42 व्यक्तियों 1000 हूक्स हूकिंग दर से पकडी गई जबकि बंगाल की खाडी एंव अण्डमान एवं निकोबार समुद्र से क्रमशः इन प्रजातियों के लिए 0.51 एवं 0.96 एच आर पंजीकृत किए गए । अण्डमान एवं निकोबार समुद्र से दक्षिण अक्षंश [6 - 9° उ] में प्रचुरता अधिकतम था । पकडे गए नमूने की डिस्क चौड़ाई 40 - 58 से मी था और वजन 2.0 5 - 6 कि ग्रा था । तैराई केकडा, जेल्लि फिश, महासागरीय स्क्विड, आरगोनोट तथा फिनफिश का चारा के रुप में प्रजातियाँ पाई गई । दिसंबर - मार्च के दौरान पकड में अंडा देने वाली माताओं का निरीक्षण किया गया तथा भ्रूण वहन करने वाली गर्भवति माताएं अरब सागर से मई माह के दौरान पकडी गई । बॉम्बे नैसर्गिक ऐतिहासिक संघ की पत्रिका के खंड 106[1] में अध्ययन का परिणाम [पृष्ठ 57-62] प्रकाशित है ।

3. जापानी केटालूफा पुनः वर्णन

जापानी केटालूफा, प्रिस्टजेनिस निफोनिया [कुटुंब प्रियाकेन्थिडे] हिन्द एवं पेसिफिक महासागर के उष्ण कटिबन्धी समुद्र में वितरित समुद्री चट्टानी सहचारी मछली है । 80 और 100 मी से अधिक गहराई में चट्टानी आवास के साथ यह प्रजातियाँ पाई जाती है लेकिन किशोर अवस्था में उथला जल में भी पाई जाती है । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन बेस सम्बध जलयान एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी के तलमज्जी ट्रॉल पकड़ में यह प्रजातियाँ प्रतिनिधित्व की जा रही है । कोच्चिन बेस के वैज्ञानिकों ने मेरिस्टिक कॉउट एवं कंकाल संरचना विशेष के साथ पुनः वर्णन किया है । मुम्बई प्राकृतिक ऐतिहासिक संघ की पत्रिका के खंड 106 [1] में अध्ययन का ब्यौरा प्रकाशित किया है । [पृष्ठ 99 -104]

II. बहिर्गमन और प्रशिक्षण

1. कडलूर, तमिलनाडु में क्षेत्रीय कार्यशाला

तमिलनाडु तट से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस द्वारा 16 फरवरी 2010 को कडलूर, तमिलनाडु में आयोजित की गई । तामिलनाडु राज्य मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से यह कार्याशाला आयोजित की गई । स्थानीय मछुआरों के हित के लिए बेस कार्यालय के वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों द्वारा स्थानीय भाषा में तटवर्ती एंव महासागरीय संसाधनों पर भाषण दिए । कार्यशाला के रुप में मुख्य संसाधन दर्शाते हुए चार्ट, क्राफ्ट व गियर का मॉडल, का प्रयोग कर मात्स्यिकी पर एक प्रद्र्शिनी भी आयोजित की गई । लगभग 100 मछुआरें स्थानीय मछुआरा ग्राम से कार्यशाला में भाग लिए ।

2. मार्मुगोवा बेस द्वारा माल्पे, कर्नाटक में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला।

कर्नाटका की समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं संपोषणीय उपयोग पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला मार्मुगोवा बेस द्वारा फिशिंग हारबर, माल्पे, उडुप्पि, कर्नाटका में 18.2.2010 को आयोजित की गई । डॉ एम ई जॉन, क्षेत्रीय निदेशक ने अपने मूल सूचक भाषण में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के संपोषणीय उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यशाला का उद्घाटन डॉ वाई बासवराजू, डीन, मात्स्यिकी महाविद्यालय, मैंगलोर द्वारा हुआ । श्री हरिश कुमार; के, सहायक निदेशक, मात्स्यिकी, कर्नाटक सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की । श्री हिरयानी केडयूर, अध्यक्ष, माल्पे मात्स्यिकी संघ ने इस अवसर पर अपना अनुभव व्यक्त किया ।

3. बेटापूर, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप में क्षेत्रीय कार्यशाला एवं मछुआरे रैली।

विस्तार एवं बहिर्गमन कार्यक्रम के रुप में, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्टब्लेयर बेस, मात्स्यिकी निदेशालय, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप के सहयोग से अण्डमान एवं निकोबार द्वीप के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय कार्यशाला पद्मानावपूर एवं बेटापूर के स्थानीय मछुआरों में जानकारी पैदा करने हेतु 19.2.2010 को हक्सिबिल नेस्ट गस्ट हाऊस, बेटापूर में आयोजित की गई । कार्यशाला में प्रतिपादित विषय मात्स्यिकी संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग का महत्व, प्रचुर महासागरीय संसाधनों को शोषण करने की प्रौद्योगिकी, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता तथा समुद्री पर्यावरण सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले उपाय थे । कार्यशाला का उद्घाटन श्रीमती शान्ता कुमारी, प्रधान, सिवपुरम ग्राम पंचायत द्वारा किया गया । कार्यशाला की अध्यक्षता श्री जे. चन्द्रशेखर, मात्स्यिकी के सहायक निदेशक, उत्तर एवं मध्य अण्डमान ने की ।

डॉ एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, पोर्टब्लेयर बेस ने मूल सूचक भाषण दिए। श्री ए. तिरुपति राव, सदस्य, जिला परिषद माननीय अतिथि रहे। पोर्टब्लेयर बेस से वैज्ञानिकों ने कार्यशाला के दौरान पाँच तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किए। पद्नावपुर एवं बेटापूर मत्स्यन गांव के लगभग 122 मछुआरें पी आर आई सदस्यों के साथ कार्यशाला में भाग लिए। कार्यशाला के रुप में एक मछुआरे रैली भी आयोजित की गई थी।

4. पुरी, उड़ीसा में क्षेत्रीय कार्यशाला

भारत के ऊपरी पूर्वी तट के विशेषकर उड़ीसा तट में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला विशाखापटट्णम बेस द्वारा 5 मार्च 2010 को पुरी, उड़ीसा में आयोजित की। कार्यशाला के दौरान, मछुआरों को मात्स्यिकी संसाधन उपलब्धता, मौसमी, उनके संपोषित उपयोग इत्यादि पर बेस के वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों ने अवगत कराया। कार्यशाला के साथ मत्स्यन रोक का उद्देश्य समझाने हेतु पणधारियों की एक बैठक आयोजित की गई।

5. काकीनाड़ा, आन्ध्राप्रदेश में क्षेत्रीय कार्यशाला

विशाखापटट्णम एवं पोर्टब्लेयर बेस द्वारा संयुक्त रुप से भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला काकीनाड़ा के स्थानीय मछुआरों, ठेकेदारों, मछली व्यापारियों में मात्स्यिकी संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग, महासागरीय एवं नेरिटिक संसाधनों के शोषण करने, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचरण संहिता, समुद्र में सुरक्षा एवं समुद्री पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के संबंध में जानकारी उत्पन्न करने हेतु राज्य मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान [सिपट] काकीनाड़ा, आन्ध्राप्रदेश में 25 मार्च 2010 को आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री प्रकाश राव, प्रिंसिपल, सिफट, काकीनाड़ा द्वारा किया गया और प्रोफे डी.ई.बाबु, प्रधान, प्राणी विज्ञान विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय द्वारा इसकी अध्यक्षता की। श्री रंग राव, अध्यक्ष, मछुआरे कल्याणकारी संघ विशेष अतिथि थे। डॉ एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, पोर्टब्लेयर बेस तथा डॉ एस के नाईक, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, विशाखापटट्णम बेस ने विविध विषयों पर व्याख्यान दिए। कार्यशाला में काकीनाड़ा के मछुआरे गाँव से लगभग 108 मछुआरों ने भाग लिए।

6. कोच्चिन बेस में ओपन हाऊस

कोच्चिन बेस ने समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग, एरणाकुलम में और सर्वेक्षण जलयान एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी, मत्स्य सुगन्धी एवं लवणिका पर 9 मार्च 2010 को एक ओपन हाऊस का आयोजन किया। डॉ के विजयकुमारन, महानिदेशक, भा मा स ने मुख्य अतिथि तथा डॉ एस. गिरिजा, प्रभारी, निफफाट, कोच्चि की उपस्थित में ओपन हाऊस का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में कोच्चिन बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सिफनेट कोच्चि के अनुदेशक एवं छात्रों, श्री एल के राव, व.प्रशासनिक अधिकारी, भा. मा. स. भी उपस्थित थे। ओपन हाऊस में क्राफट एवं गियर का मॉडल, मात्स्यिकी चार्ट, विरल मछलियों के परिरक्षित नमूने तथा समन्वेषी सर्वेक्षण के दौरान पकडी गई गहन समुद्री श्रिम्प दर्शाए गए। मत्स्यन प्रणालियों पर एवं भा मा स के कार्यकलापों पर एक फिल्म शो का भी व्यवस्था किया गया। कोच्चिन बेस से संबंद्ध तीन सर्वेक्षण पोतों को जनता के लिए खुला रखा, जिसमें मछली पकडने, नौसंचालन, संचार एवं विविध मत्स्यन गियर जैसे ट्रॉल नेट, ट्रेप, स्किवड जिगिंग, मशीन, हूक एवं लाइन दर्शाए गए। विविध कॉलेज एवं स्कूल के छात्रों, अध्यापकों एवं सामान्य जनता ने ओपन हाऊस का दौरा किया। एम ई डी के कर्मशाला में रक्षक अनुभाग एवं मशीनरी को प्रतिभागियों ने बहुत उत्साह से निरीक्षण किए।

7. चेन्नई में ओपन हाऊस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस में मार्च 2010 को समाप्त तिमाही के दौरान दो ओपन हाऊस का आयोजन किया गया। पहला ओपन हाऊस सरकारी हाई स्कूल, अन्नै शिवगामी नगर, एन्नोर, चेन्नई में 26 फरवरी 2010 में आयोजित किया गया। ओपन हाऊस को देखने के लिए लगभग 200 छात्रों, मछुआरों एवं सामान्य जनता गए थे। दूसरा ओपन हाऊस 5 मार्च 2010 को बेस कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें बेस के सर्वेक्षण पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि एवं समुद्रिका को देखने हेतु आगन्तुकों को अनुमति दी गई थी। मछुआरों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों एवं सामान्य जनता से ओपन हाऊस के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

8. भा मा स द्वारा एन एफ डी बी फडिंग के साथ टूना लॉग लाइनिंग के नवीनतम प्रौद्योगिकी पर मछुआरों को जहाज पर प्रशिक्षण

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड [एन एफ डी बी], हैदराबाद के साथ टूना लॉग लाइनिंग में नवीनतम प्रौद्योगिकी पर मछुआरों को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम प्रारंभ किया है। कार्यक्रम के अनुसार, भारत के विविध समुद्रवर्ती राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों से 120 मछुआरों को संस्थान के क्रमश : मुम्बई, चेन्नई एवं पोर्टब्लेयर से संबंद्ध भा मा स के तीन टूना लॉग लाइनिंग पोत मत्स्य वृष्टि, मत्स्य दृष्टि एवं ब्लू मार्लिन की समुद्री यात्रा सर्वेक्षण के दौरान जहाज पर जगह दी जाएगी। प्रशिक्षण का संपूर्ण लागत एन एफ डी बी द्वारा वहन किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान मछुआरों को दैनिक भत्ते के रुप में रु. 300 प्रति दिन की राशि एवं मोर्स्सिग भत्ता की ओर रु. 200 प्रति दिन की राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, चयन किए गए मछुआरों को समीपस्थ रेलवे स्टेशन से प्रशिक्षण बेस तक स्लीपर क्लास रेलवे टिकट के समतुल्य यात्रा भत्ता की राशि का भुगतान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान, मछुआरों को जहाज नौ संचालन, मत्स्यन स्थल का पता लगाना, गियर परिनियोजन तथा पोत पर पकड की पूर्ति एवं संभालने पर प्रशिक्षित किया जाएगा। मछुआरों का पहला बेच को पहचान किए गए पोतों के मई 2010 के समुद्री यात्रा के दौरान लिए जाएंगे।

III. शैक्षिक उपलब्धियाँ

उपाधियाँ प्रदान की गई

श्री ए. एनरोस, क्षेत्रीय निदेशक, चेन्नई बेस को मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा पेनिनसुलर भारत के चारों ओर गहन समुद्री शिम्प पर अध्ययन शीर्षक पर उनके शोध प्रबन्ध को मार्च 2010 में पी एच डी उपाधि प्रदान की गई। श्री ए. एनरोस, डॉ वी एस सोमवंशी, पूर्व महानिदेशक, भा मा स के मार्गदर्शन में कार्य किया। उन्होंने विविधता, प्रचुरता, स्टॉक निर्धारण एवं भारत के दक्षिणी पश्चिमी तट के अपेक्षाकृत नए संसाधनों के जीव विज्ञान पर अध्ययन किया है।

IV. बेस कार्यालयों की परामर्शी समूह बैठके

- चेन्नई बेस की परामर्शी समूह की बैठक 15 मार्च 2010 को बेस के सम्मेलन कक्ष में हुई। बैठक में वर्ष 2010 - 11 के लिए बेस के सर्वेक्षण कार्यक्रम पर चर्चा हुई और इसका अनुमोदन भी दिया।
- विशाखापटट्नम बेस की परामर्शी समूह की बैठक 28.2.10 को बेस के सम्मेलन कक्ष में हुई। डॉ मनमोहन सिंह, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश सरकार ने बैठक की अध्यक्षता की। उपस्थित सदस्यों ने वर्ष 2010 - 11के लिए बेस कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा में सक्रिय रुप से भाग लिया।

V. सर्वेक्षण उपलब्धियों का प्रसार

- चेन्नई बेस ने अक्टूबर - दिसम्बर 2009 की तिमाही के लिए संसाधन सूचना अकांवली [तमिल और अंग्रेजी में] का प्रकाशन किया।
- विशाखापटट्नम बेस ने जनवरी - मार्च 2010 की तिमाही के लिए संसाधन सूचना अंकावली [तेलगू और अंग्रेजी में] का प्रकाशन किया।

VI. प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियो/परिसंवाद इत्यादि में भागीदारी

- सर्वश्री श्री संजीव कुमार सिंह, थुले गोपाल वासुदेव [मुम्बई मुख्यालय] एवं सुश्री वन्दना वाघमारे [मुम्बई बेस] ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, नागपूर, महाराष्ट्र में 4 से 8 जनवरी 2010 तक आयोजित हिन्दी सोफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- सर्वश्री [श्री के एन स्वामी, बी के सिंह [विशाखापट्टणम बेस], ए.के.खरे, ए.के.साहा [चेन्नई बेस] तथा संतोष बाबु पी [मार्मुगोवा बेस], बी के सिंह, एन स्वामी [विशाखापट्टणम बेस] पी.वी.लतीश एवं टी जय प्रकाश [कोचिन बेस] ने 18 - 23 जनवरी 2010 के दौरान राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान बैंगलोर में आयोजित हिन्दी सोफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

- डॉ एल रामलिंगम [पोर्टब्लेयर बेस], डॉ एस के नाईक, श्री के एस एन रेड्डी, श्री एन. जगन्नाथ, डॉ अंशुमन दास, श्री ए.सिवा और श्री वी यू महेश [विशाखापट्टणम बेस] ने भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के मात्स्यिकी संसाधनों के संपोषित प्रबन्धन के लिए चुनौतियों पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

- श्री के गोविन्दराज, पोर्टब्लेयर बेस ने इन्डो यू एस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नई दिल्ली फॉरम द्वारा 21 - 23 जनवरी 2010 के दौरान सी एम एफ आर आई ,कोच्चि में समुद्री स्तनपायी के भूग्रस्त पर प्रायोजित कार्यशाला में भाग लिया ।

- भा मा स, मुख्यालय के वैज्ञानिकों का एक दल ने दयानंद कॉलेज आफॅ आर्टस एण्ड सायन्स, सोलापूर, महाराष्ट्र में 28 - 30 जनवरी 2010 के दौरान जैवविविधता पर एवं प्रकृति संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया । भा मा स ने छात्रों, संकाय, मत्स्यन उद्योग एवं सामान्य जनता के हित के लिए स्थान में एक समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शिनी का आयोजन किया ।

- डॉ एल रामलिंगम एवं श्री धर्मवीर सिंह, पोर्टब्लेयर बेस ने पोर्टब्लेयर में 10 फरवरी 2010 को उच्च मूल्य कृषि विकास अभिकरण द्वारा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपों मे नारियल आधारित कृषि प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- डॉ एल. रामलिंगम एवं श्री ए बी कर, पोर्टब्लेयर बेस ने अण्डमान एंव निकोबार द्वीपों में 17 फरवरी 2010 को श्री विवेक राय, आई ए एस, मुख्य सचिव, अण्डमान एंव निकोबार प्रशासन की अध्यक्षता में मछली एकत्रीकरण उपकरणों के संस्थान पर हुई बैठक में भाग लिया एवं उक्त विषय पर बेस कार्यालय द्वारा किए गए कार्यो की प्रशंसा की ।

- डॉ एल रामलिंगम, सर्वश्री ए.बी.कर तथा एच डी प्रदीप, पोर्टब्लेयर बेस ने पोन्डिच्चेरी विश्वविद्यालय, ब्रूक्सहबाद, पोर्टब्लेयर और महासागर अध्ययन एवं समुद्री जीव विज्ञान विभाग , पोन्डिच्चेरी विश्वविद्यालय एवं एप्लाइड जियोकेमिस्ट भारतीय संघ द्वारा, 24 - 25 फरवरी 2010 के दौरान समुद्र विज्ञान में एप्लाइड केमिस्ट्री पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

- डॉ एल रामलिंगम और श्री ए बी कर, पोर्टब्लेयर बेस ने अण्डमान एंव निकोबार द्वीपों में टूना मत्स्यन एंव तत्संबंधी कार्यकलापों की उन्नति पर स्टेट बैंक आफ इंडिया, पोर्टब्लेयर में 10 मार्च 2010 को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया एवं अण्डमान एंव निकोबार द्वीपों के टूना मात्स्यिकी संसाधनों पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

- श्री एम. विनोद कुमार मुम्बई [मुख्यालय] ने प्राणिविज्ञान विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय व भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी विशाखापट्टणम के सहयोग से दिनांक 12-13 मार्च 2010 को आयोजित परजीवी वर्गीकी, जैवविविधता और मछली स्वास्थः पर्यावरणीय स्वास्थ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र की बड़ी पेलाजिक परभक्षी मछलियों से दो परजीवियाँ की प्रथम सूचना विषय पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किये ।

- सर्वश्री पी. तामिलरासन, सी, बाबू [चेन्नई बेस] ए.बी. कर और एच.डी. प्रदीप [पोर्टब्लेयर बेस] ने सी.एम.एफ.आर.आई. के क्षेत्रीय केन्द्र, चेन्नई में 15-16 मार्च, 2010 के दौरान समुद्री मात्स्यिकी जनगणना 2010 विषय पर आयोजित कार्याशाला में भाग लिया ।

- डॉ.एस.के.नायक, डॉ. अन्शुमानदास और श्री एस.के पट्टनायक विशाखापट्टणम बेस ने सिस्कोफेड द्वारा पोषित प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सिफनेट, विशाखापट्टणम में 18-22 मार्च 2010 के दौरान भाग लिए । डॉ.एस.के नायक ने विशेषज्ञ की हैसियत से भाग लिया और समुद्री मात्स्यिकी संसाधन विषय पर व्याख्यान भी प्रस्तुत किया ।

- सर्वश्री के.एस.एन.रेड्डी व एस.के पट्टनायक विशाखापट्टणम बेस ने सी.एम.एफ.आर.आई. के क्षेत्रीय केन्द्र, विशाखापट्टणम में 22-23 मार्च 2010 के दौरान आयोजित समुद्री जनगणना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिए ।

- डॉ. ए.एनरोज, चेन्नई बेस ने विशेषज्ञ हैसियत से 23 मार्च 2010 को महिलाओं के विकास हेतु तमिलनाडु कॉआपरेशन द्वारा आयोजित मात्स्यिकी संसाधन प्रबन्ध पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया और मत्स्यन विधियों की विविधता विषय पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किया ।

- श्री धरमवीर सिंह, पोर्ट ब्लेयर बेस ने विकास आयुक्त सह सचिव [मा] अण्डमान निकोबार प्रशासन की अध्यक्षता में दिनांक 24 मार्च 2010 को आयोजित वर्फ बाक्सों की विद्युतरोधी हेतु आर्थिक सहायता स्वीकार्य को अन्तिम प्रारुप की समिति की बैठक में भाग लिया ।

- डॉ. ए. एनरोज और श्री पी.एस. परशुरामन, चेन्नई बेस ने क्रमशः मत्स्य दृष्टि और मोनोफिलामेन्ट लाँगलाइन मत्स्यन की टूना संसाधन, मत्स्यन विधियाँ और सर्वेक्षण परिणामों पर शोधपत्र, प्रशिक्षण और मात्स्यिकी तकनीकी संस्थान [फिट्ट], चेन्नई द्वारा आयाजित टूना स्टेकहोल्डर बैठक में 29 मार्च, 2010 को प्रस्तुत किया ।

VII. बैठकें

- **तटीय अभियन्ताओं व जलयान कर्मचारियों के साथ महानिदेशक की बैठकः**

दिनांक 08 मार्च, 2010, कोच्चि में जलयानों की प्रचालन पहलुओं की समीक्षा के लिए महानिदेशक महोदय ने अपने सम्बोधन में बैठक की महत्व को बताया और प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि जलयानों की रखरखाव व प्रचालन पर अपने विचारों का आदान प्रदान भी करे । महानिदेशक महोदय ने पुनः जलयानों के निर्धारित सर्वेक्षण कार्यक्रमों का प्रभावी रुप से निष्पादित हेतु अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत पर बल दिया । कप्तानों/प्रचालन कर्मचारियों जलयानों की स्थिति पर सर्वेक्षण जलयान वार की स्थिति, सर्वेक्षण कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में कठिनाइयाँ, सर्वेक्षण की गुणवत्ता में वृध्दि हेतु सुझावों, टिप्पणियों, जलयांन कर्मचरियों की शिकायतों पर भी ध्यान दिया जायेगा । बैठक के दौरान संस्थान के समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग [एम.इ.डी] के निष्पादन पर भी चर्चाएं हुई ।

- **भा.मा.स.के वैज्ञानिकों की बैठकः**

महानिदेशक महोदय ने संस्थान के वैज्ञानिक निष्पादनों के मानकों की प्रगति से सम्बन्धित विषय पर भी संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ एक बैठक का आयोजन किया । बैठक, भा.मा.स.[मुख्यालय] के बैठक कक्ष में दिनांक 03. फरवरी, 2010 को सम्पन्न हुआ और मुम्बई में उपलब्ध सभी वैज्ञानिकों व प्रत्येक बेस से वैज्ञानिकों के प्रतिनिधि, सभी क्षेत्रीय निदेशकों/कार्यालय प्रभारियों ने बैठक में भाग लिया । महानिदेशक महोदय ने अपने आरंभिक सम्बोधन में भा.मा.स. को देश में वैज्ञानिक संस्थानों की अग्रणी सूची/वर्गो में उन्नत करने हेतु विज्ञान और वैज्ञानिक क्रिया कलापों की महता की आवश्यकता पर बल दिया । जलयान सुविधाओं की उपयोगिता की पुनरावृत्ति हेतु उन्होंने सुझावित किया कि जहाँ पर ध्यानाकर्षण की जरुरत हो उस क्षेत्र के बिन्दु की आवश्यकता को आविर्भाव करने के लिए आवेदन देना और वर्तमान व्यवहार की सुधार व समीक्षा करना है । उन्होंने पुनः जोर देकर कहा कि विभागीय प्रकाशनों हेतु वैज्ञानिक को आकड़ा संग्रहण विधियों की मानको, संग्रहित आकड़ो का सुव्यवस्थित विश्लेषण, व. वैज्ञानिक प्रकाशनों और समकक्ष समीक्षक पत्रिका में प्रकाशनों हेतु आवश्यकता पर बल देना है ।

बैठक में पुनः वैज्ञानिकों के लिए निष्पादन आधारित जीविका उन्नति कार्यक्रम प्रतिपादित करने पर भी चर्चा हुई और यह निर्णय लिया गया कि वैज्ञानिकों का निष्पादन [उन्नति] के लिए मत्स्यन समुद्र भ्रमणों में भागीदारी, निर्दिष्ट पत्रिकाओं में वैज्ञानिक शोधपत्रों के प्रकाशन व अन्य वैज्ञानिक उत्पादनों के आधार पर मूल्यांकित किया जाएगा । बैठक के दौरान जलयानों की भागीदारी के लिए प्रोत्साहन पदोन्नति से सम्बन्धित विषयों और अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चाएं हुई । बैठक में पुनः यह निर्णय लिया गया कि वैज्ञानिकों के लिए वैज्ञानिक लेखन, सूचनाओं की प्रस्तुतीकरण, फोटोग्राफी व नमूनों को तैयार करने हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए । बैठक में यह निर्णय लिया कि भा.मा.स. संगठन को शोभायान करने हेतु, महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन के लिए लचीलेपन सुविधाओं को विकासित करना है । महानिदेशक महोदय ने वैज्ञानिकों से अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता वर्ष समारोह का आयोजित करने हेतु सुझाव माँगा और यह निर्णय भी लिया गया कि राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं परिसंवाद आयोजित किया जाए ।

VIII. पुरस्कार

श्री एम. विनोद कुमार, क.मा.वैज्ञानिक को भारतीय समुद्री मछलियों की संकटग्रस्त व संकटग्रस्तता की प्रबन्ध व संरक्षण के लिए सामरिक महत्व विषय पर शोध प्रबन्ध के लिए प्राकृतिक संसाधनों, और प्रकृति संरक्षण व जैवविविधता पर दिनांक 29-30 जनवरी ,2010 को सोलापुर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से पुरस्कृत किए गए ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन

- **मार्मुगोवा बेस के लिए पुरस्कारः**

मार्मुगोवा बेस को सत्र 2008-09 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ । माननीय श्री अजय मकन, गृहमंत्री, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री के हाथों दिनांक 27.03.2010 को दमन में आयोजित कार्यक्रम में मार्मुगोवा बेस राजभाषा के कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य हेतु शील्ड प्राप्त किया । श्री बी.एल.अंजना, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, मार्मुगोवा बेस को भी सत्र 2008-09 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में सराहनीय कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ ।

- **मार्मुगोवा में हिन्दी कार्यशालाः**

बेस कर्मचारियों की उपयोगिता के लिए दिनांक 20.03.2010 को मार्मुगोवा बेस में भारतीय भाषाओं हेतु यूनीकोड़ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री राजेन्द्र वर्मा, सहायक निदेशक, सी-डेक, पूणे विषय विशेषज्ञ थे। यूनिकोड तंत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु कार्यशाला में बेस के सभी अधिकारियों व कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिए।

- **विशाखापटट्णम में हिन्दी कार्यशालाः**

बेस कर्मचारियों की उपयोगिता हेतु दिनांक 11 फरवरी, 2010 को विशाखापटट्णम बेस के सम्मेलन कक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। श्रीमती विशाला वर्मा, हिन्दी प्रभाग अधीक्षक, सी-डेक, पुणे, विषय विशेषज्ञ थी, जो कि कार्यालयी कर्मचारियों को प्रतिदिन कार्यालयी मामलों में हिन्दी की उपयोगिता पर प्रशिक्षित किया। बेस के सभी अधिकारी व कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया।

- **पोर्टब्लेयर बेस में हिन्दी कार्यशालाः**

बेस कर्मचारियों की उपयोगिता हेतु दिनांक 04. फरवरी, 2010 को पोर्टब्लेयर बेस में टिप्पणी व मसौदा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री अजय सिंह हिन्दी अनुवादक, शिक्षा निदेशालय, अण्डमान व निकोबार विषय विशेषज्ञ थे। बेस के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

- **कोच्चि बेस की हिन्दी पत्रिकाः**

कोच्चि बेस ने "मत्स्य ध्वनि" नामक हिन्दी गृहपत्रिका का प्रकाशन दिनांक 10 मार्च 2010 को किया। पत्रिका में कर्मचारियों के सहयोग से समाचार सामग्री, कविताएं, लघुकहानियाँ, नुसखे इत्यादि प्रकाशित की गई।

- **मुम्बई मुख्यालय में हिन्दी कार्यशालाः**

कर्मचारियों का कम्प्यूटर पर हिन्दी की उपयोगिता बढ़ाने के क्रम में, मुम्बई [मुख्यालय] में यूनिकोड़ पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 29.03.2010 को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण, सी-डेक, पूणे के सहयोग से आयोजित की गई। श्री राजेन्द्र वर्मा, सहा. निदेशक, सी-डेक, पुणे के विषय विशेषज्ञ थे। प्रशिक्षणार्थियों को यूनिकोड़ की उपयोगिता का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

X. आगन्तुक/अतिथि

थाई प्रतिनिधि मंड़ल का विशाखापटट्णम बेस में आगमनः

श्री टवीप दूनवानिज, मत्स्यन गियर विशेषज्ञ की अध्यक्षता में थाई मिशन थाईलैन्ड से 10 में प्रतिनिधि मण्डल ने विशाखापटट्णम बेस में दिनांक 04 फरवरी 2010 को आये। प्रतिनिधि मंड़ल के साथ डॉ.पाँल पांडियन, उपायुक्त [मा.] पशुपालन, डेयरी व मात्स्यिकी विभाग, कृषि मंत्रालय भी थे। प्रतिनिधि मंड़ल ने बेस के कर्मचारी व कार्यालय प्रभारी के साथ भी चर्चाएं की। थाई टीम, स्टेकहोल्डरों के साथ भी चर्चाएं की।

XI. महानिदेशक की बैठकों/संगोष्ठियों में भागीदारीः

- कच्छ तट में लोक वातावरण व जीविका विषय पर दिनांक 07-08 जनवरी 2010 को भुज, कच्छ जिला, गुजरात में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- सी.सी.एम. बी. के सहयोग से इनकॉयर द्वारा आयोजित रत्नागिरी से दूरस्थ तरंग आरोही-बोया को फैलाने के सम्बन्ध में जानकारी समूह में भाग लिया, और स्टेकहोल्डरों के साथ रत्नागिरी में दिनांक 12-13 जनवरी 2010 को बैठक भी आयोजित की।
- फोरम ऑफ फिशरिज प्रोफेशनल्स, विशाखापटट्णम द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2010 को भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र का दूरस्थ मछली संसाधनों की वृध्दि व्यवस्था के लिए चुनौतियाँ विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- दिनांक 22-23 जनवरी 2010 को कोच्चि के दौरान समुद्री सजीव संसाधन कार्यक्रम [सैक-एम एल.आरपी] पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक में भाग लिया।
- स्टेकहोल्डर कार्यशाला, दिनांक 27 जनवरी 2010 को गोवा में आयाजित किया।
- दिनांक 28 जनवरी 2010 को एन.ए.एस.सी.पूसा, नई दिल्ली में स्टेकहोल्डर बैठक के साथ मसौदा मात्स्यिकी विधेयक सम्बन्धित विषय पर भाग लिया।
- केन्द्रीय अन्तःस्थली मात्स्यिकी अनुसंधान [सीफरी, बैरकपुर में दिनांक 01 फरवरी 2010 को हिल्सा पर आयोजित सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 12 फरवरी 2010, एन.एस. सी, पूसा, नई दिल्ली में स्टेकहोल्डर बैठक के साथ मसौदा मात्स्यिकी विधेयक से सम्बन्धित विषय पर भाग लिया।
- आई.ओ.टी.सी. संकल्पों के पालन की समीक्षा और मानिटरिंग के लिए गठित 6वी कार्यकारी समूह बैठक, कृषि भवन, नई दिल्ली में दिनांक 15 फरवरी 2010 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- संघ लोकसेवा आयोग, कार्यालय नई दिल्ली में दिनांक 18 फरवरी 2010 को विभागीय पदोन्नति समिति [डीपीसी] की बैठक में भाग लिया।
- सफारी टी.आर.जी.सी.एच.एल.बैठक सी.आई.एफ.टी. दिनांक 19 फरवरी 2010 कोच्चि में भाग लिया।
- अवधि की समीक्षा के लिए मत्स्यन रोक का प्रभाव व अनुमान हेतु तकनीकी समिति की द्वितीय बैठक, कोच्चि में दिनांक 20 फरवरी 2010 को भाग लिया।
- भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण, मंगलोर में दिनांक 22-23 फरवरी 2010 को केरल महाद्वीप में वातावरणीय प्रभाव के आकलन हेतु चर्चाओं में भाग लिया।
- भा.मा.स.के अभियन्ताओं व जलयान कर्मचारियों के साथ जलयानों के प्रचालन परिदृश्य की समीक्षा हेतु कोच्चि में दिनांक 07. मार्च 2010 को बैठक में भाग लिया।
- चेयरमैन, एमपीड़ा, कोच्चि के साथ ट्रालरों से टूना लाँगलानर में परिवर्तित करने सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों हेतु और भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मत्स्यन संसाधनों की पुर्नवैधीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की द्वितीय बैठक, दिनांक 09 मार्च 2010 कोच्चि में भाग लिया।
- समुद्री सुदूर संवेदन पर भारतीय-आस्ट्रेलिया संयुक्त कार्यशाला अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र [सैक] अहमदाबाद द्वारा दिनांक 18-19 मार्च 2010 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- मि.फुंग स्मिथ, एफ ए ओ अधिकारी के साथ संभावित सहयोग पर जानकारी लेने हेतु संयुक्त सचिव [मा.] कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली के चैम्बर में दिनांक 15 मार्च 2010 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

XII. अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भागीदारी

- **हिल्सा के प्रबन्ध पर द्वितीय क्षेत्रीय परामर्शः**

हिल्सा मात्स्यिकी के लिए प्रबन्ध योजना बनाने हेतु द्वितीय क्षेत्रीय परामर्श दिनांक 06-08 फरवरी 2010 को चित्तगाँव, बांगलादेश में सम्पन्न हुई। डॉ. के विजयकुमारन के साथ डॉ.एस.एन.सिंह और डॉ. मधुमिता ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में हिल्सा प्रबन्ध योजना के लिए रोडमेप बनाने और हिल्सा मात्स्यिकी के विभिन्न मुद्दों पर चर्चाए हुई।

- **डॉ. एम.ई.जॉन, क्षेत्रीय निदेशक का भारतीय महासागर टूना आयोग [आय.ओ.टी.सी.] के 14 वे सत्र में भागीदारीः**

आय.ओ.टी.सी.के 14 वे सत्र, बुसन, गणतन्त्र कोरिया में दिनांक 01-05 मार्च 2010 के दौरान सम्पन्न हुआ। सत्र में देश की भागीदारी हेतु, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने डॉ. एम. ई.जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, मार्मुगोवा को प्रतिनियुक्त किया। श्री रुड़ोल्फ पायेट, सदस्य आयोग के अध्यक्ष ने सत्र का शुभारंभ किया जिसमें कुल 16 देशो के प्रतिनिधि मंडलों [ऑस्ट्रेलिया, बेलिज, चीन,संघ युरोप, फ्रान्स, भारत, इंडोनेशिया, जापान, ओमन, फीलीपीन्स, कोरिया गणतंत्र, सीशेल्स, थाईलैन्ड, संघीयराज्य, तंजानिया, और वनएतु] तीन सहकारिता असंविदित पार्टिया [मालदीव, दक्षिण अफ्रिका, और युरुगोय] और पर्यवेक्षको ने भाग लिए। सत्र में टूना भंड़ारों की व्यवस्था व संरक्षण हेतु सिफारिशों और भंड़ारों की स्थिति इत्यादि सम्मिलित करके 12 वे सत्र के वैज्ञानिक समिति के सिफारिशों पर भी चर्चाएं हुई। विस्तृत चर्चाओं के पश्चात, आयोग द्वारा वैज्ञानिक समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया। छः दिवसीय सत्र के दौरान, भारतीय महासागर में सहबद्ध संसाधनों और टूना उपयोग में वृद्धि के लिए आयोग द्वारा विभिन्न संकल्पों और सिफारिशों को स्वीकार किया। भारतीय प्रतिनिधि ने मत्स्यन क्षमता कोटा पर उपचारात्मक नियामक को रोकने जबकि तटीय राष्ट्रों में रुचि को रोकने की महत्वा को विशिष्टता प्रदान किया।

- **बाँबलम परियोजना की प्रथम बैठकः**

बंगाल की खाड़ी दीर्घ समुद्री परिस्थितिकी तंत्र [बाबलम] परियोजना की प्रथम बैठक, ढ़ाका, बांगलादेश में दिनांक 03-04 मार्च 2010 के दौरान सम्पन्न हुई। डॉ. के. विजयकुमारन के साथ डॉ. जे.आर. भट्ट, पर्यावरण व वनमंत्रालय, भारत सरकार ने बैठक में भाग लिया। बैठक में परियोजना लागू करने व बजट के विविध पहलुओं पर चर्चाएं हुई।

XIV. प्रशासनिक समाचारः

नियुक्तियाँ

- श्री अमिया कुमार तराई, की विशाखापट्टणम बेस में नियमित आधार पर चपरासी के पद पर दिनांक 24 मार्च 2010 को नियुक्ति हुई।
- सुश्री आर.पी.भुवनेश्वरी, की चेन्नई बेस में आकड़ा गणनाकार [संविदा आधार पर] दिनांक 08 मार्च 2010 को नियुक्ति हुई।

पदोन्नतियाँ

- श्री पी.तमिलरासन, क.मा.वैज्ञानिक ग्रेड। चेन्नई बेस को मात्स्यिकी वैज्ञानिक पद पर चेन्नई बेस में दिनांक 23 मार्च 2010 से पदोन्नति हुई।
- श्री ए.के.मालिक, क.मा.वैज्ञानिक मुम्बई बेस को मात्स्यिकी वैज्ञानिक पद पर मुम्बई बेस में दिनांक 23 मार्च 2010 को पदोन्नति हुई।

सेवानिवृत्तियाँ

- श्री के.डी.औसेफ, नेट मेन्डर, कोच्चि बेस, दिनांक 31 जनवरी 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।
- श्री पी.हरिदास, मेट ग्रेड-I कोच्चि बेस, दिनांक 31 जनवरी 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।
- श्री एस.डी.रासम, अधीक्षक, मुम्बई बेस, दिनांक 28 फरवरी 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।
- श्री टी. कलिप्पन, वरिष्ठ डेकहैन्ड, चेन्नई बेस दिनांक 31 मार्च 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।
- श्री विक्टर खजूर, वरिष्ठ डेकहैन्ड, चेन्नई दिनांक 31 मार्च 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्तियां

- श्री बी. सुरेश कुमार, वरिष्ठ लिपिक, पोर्ट ब्लेयर बेस को दिनांक 23 फरवरी 2010 को भारत के तटीय जलकृषि प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कार्यभार से मुक्त किया गया।

संकलनकर्ता : डॉ. सिजो पी. वर्गीस, हिंदी अनुवाद : श्री. एस. के. द्विवेदी, श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, प्रकाशक : महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी.एम.रोड, फोर्ट, मुम्बई400001. तार : मीना : वेबसाईट : http://www.fsi.gov.in; फैक्स : (022)22702270, दूरभाष 22617144/45; मुद्रक : ज्योती एन्टरप्राईजेस, दूरभाष : 22632173/22704558